MAH MUL/03051/2012
ISSN: 2319 9318

Vidyawarta®
Peer-Reviewed International Journal

Nov. To Dec. 2018
Issue-30, Vol-01

0139

38

केलो मैदान में पशु–पालन विकास के लिए योजनाएँ

डॉ. ज्योति यादव

शोध सारांश :–

केलो मैदान में पशु–पालन विकास के लिए रायगढ़ जिला व घरघोड़ा विकासखंड सहित कुल २० ग्रामों को पशु शक्ति, पशु–पालन व पशुधन इकाई के रूप में लिया गया है जिसके अंतर्गत कुल पशु शक्ति का प्रतिशत ९८.३१ इकाई १०० प्रति हेक्टेयर है जिसमें रायगढ़ २१.२८ तथा घरघोड़ा २८.७२ में प्रति १०० हेक्टेयर कृषि भूमि में पशु धन इकाई २० से अधिक पाया गया है। इसके साथ ही भेड़ व बकरीयों का वितरण कुल २१७ है वही मुर्गे–मुर्गियों की कुल संख्या २८९३ है जिसमें कुल पशु–धन इकाई में इनका प्रतिशत १९.४८ है। वही सुअर १२.३९ की कुल संख्या पाई गई है। बत्तख–बत्तखी की कुल संख्या ९६ है कुल पशु–धन इकाई में प्रतिशत ०.६५ है। केलो मैदान में पशुओं के विकास के लिए योजनाओं को स्पष्ट किया गया है।

अध्ययन का उद्देश्य:–

यदि गांवों की अर्थव्यवस्था कशषि पर अधारित है, तो यह निविर्वाद है कि आज भी कशषि व्यवस्था पशु आधारित है। पशु खेती के आधारभूत अंग है जो कृषि को संचालित करने के साथ ही जैविक उर्वरक की आपूर्ति भी करते है। दूध देने वाले पशु ग्रामीणों के स्वास्थ के लिए हितकारी होते है तथा उनकी आर्थिक दशा को सुधारने में भी पशुओं का पर्याप्त योगदान होता है। यदि क्षेत्र के कृषक कृषि के साथ–साथ पशु–पालन पर अधिक ध्यान दे तो उन्हें कृषि के लिए न केवल सशक्त शक्ति प्राप्त होगी, बल्कि अधिकांशत: सीमांत, लघु व लघु कृषकों को रोजगार भी उपलब्ध हो सकेगा।

विधि तंत्र:–

प्रस्तुत अध्ययन में अन्वेषणात्मक, अवलोकनात्मक एवं विश्लेषणात्मक विधियों का प्रयोग करते हुए केलो मैदान में पशु–पालन विकास के लिए वितरण प्रति रूप का विश्लेषण किया गया है। इन अध्ययनों से संबंधित आंकड़ों को जनगणना पुस्तिका एवं जिला सांख्यिकीय पुस्तिका से प्राप्त किया गया है। केलो मैदान की जनसंख्या मुख्यत: ग्रामीण है, जिसका मुख्य व्यवसाय कृषि एवं पशुपालन है। कृषि के लिए इस क्षेत्र की भौगोलिक परिस्थितियां ज्यादा अनुकूल नहीं है। पशु–पालन व्यवसाय से राज्य की अर्थव्यवस्था का लगभग १५ प्रतिशत योगदान रहता है (पशु–पालन विभाग, राजस्थान, जयपुर १९८६–१९८७, २)। इस प्रकार स्पष्ट है प्रदेश में पशु पालन व्यवसाय का महत्वपूर्ण स्थान है।

केलो मैदान के पशुधन को निम्नलिखित सारणी द्वारा स्पष्ट किया गया है:–

केलो मैदान : पशुधन २००९–१०

क्रमांक	ग्राम	भेड़	बकरियां
1	रायगढ	25	38
2.	घरघोड़ा	15	27
3.	सपनई	08	20
4.	गौरबहरी	07	33
5	कोलाईबहाल	3	29
6	बड़े हल्दी	12	71
7.	तराईपाल	–	–
8	बरगात	7	22
9	देवगाव	18	
10	भालुमार	10	30
11.	रेगड़ा	20	–
12.	गेजमुडा	10	33
13.	डगबीरा	5	20
14	बेनेकेला	18	13
15.	दियागढ़	10	10
16.	मुस्काती	15	15
17.	नयारामपुर	7	18
18.	खर्रा	8	35
19.	कुंजेगुरा	9	25
20	कोसमपाली	10	30
	कुल	217	475

स्रोत– उपसंचालक पशु चिकित्सालय विभाग रायगढ़, घरघोड़ा (छ.ग.) केलो मैदान में पशुओं की कुल संख्या १४८५० है। इनमें गाय, बैल, भैंस–भैंसा, बत्तख–बत्तखी, गधे, मुर्गा–मुर्गी तथा सुअर की संख्या अधिक है। केलो मैदान में बैल तथा भैंसों का उपयोग पशु–शक्ति के रूप में तथा गाय–भैंस का उपयोग

PRINCIPAL,
GOVT. ENGINEER VISHWESARRAIYA
P. G. COLLEGE, KORBA (C. G.)